## पाठ ३१

1. परमेश्वर इस्रेलीसबके मिश्रसे निकालेके ओकुनीसबके केने लिएके अगुवाइ करतरनी ?
   - कनानके भूमिमे वापस लिएरहल ।
2. परमेश्वर इस्रेलीसबके दिनमे कइसन अगुवाइ करतरनी ?
   - बादलद्वारा ।
3. परमेश्वर इस्रेलीसबके रातमे कइसन अगुवाइ करतरनी ?
   - आगके खम्बाद्वारा ।
4. परमेश्वर काहे इस्रेलीसबके लालसागरके किनारेतक अगुवाइ कइल ?
   - परमेश्वर मिश्रीसब आ इस्रेलीसब दोनोके वहां सिर्फ परमेश्वर ह कहके दिखाएके चाहेला ।
5. फारो आ ओकर सेना फेनु ओकुनीसबके पक्रेके चल्ते आइलरहे देकेकेबाद इस्रेलीसब कथी कइल ?
   - इस्रेलीसब मोसाके दोष दिहन आ कहलक कि ऊसब मिश्रमे ही रहल त अच्छा होवेवाला रहे ।
6. का इस्रेलीसब अपन रक्षाकरेके समर्थ रहे ?
   - ना ।
7. काहे इस्रेलीसब अपन रक्षा करेके समर्थ ना रहे ?

- लाल सागर ओकुनीसबके आगे रहे ओकुनीसबके दुगोतरफ पहाड रहे फिउरन आ ओकर सेनासब पिछसे रहल ।

8. इस्रेलीसबके बचावेके सकेवाला कउनो सिर्फ रहे ?
   - परमेश्वर ।
9. परमेश्वरके निमित्त लाल सागर दुगो भागमे बांडके काम काहे कठिन ना रहे ?
   - काहेकि लाल सागरके परमेश्वर बनाउलेरनी ।
   - काहेकि समुन्दरके मालिक परमेश्वर ह ।
   - काहेकि परमेश्वर सर्वशक्तिमान ह आ सबथोक करेके सकिहन ।
10. काहेकि फिउरन आ ओकर सेना इस्रेलीसबके फेनु पक्रेके निमिम्त आइलरहे त ओकुनीसबके बचावेलाके परमेश्वर कथी कैलक ?
    - परमेश्वर इस्रेलीसब आ फिउरन तथा ओकर सेनाके बीचमे एगो बादल राखदेल ।
    - बादल इस्रेलीसबके निमित्त प्रकाश देल लेकिन फिउरन आ ओकर सेनाके तरफ चाहिं अन्धकार भेल ।

11. फारो आ ओकर सेना इस्रेलीसबके लालासागरके ओरि तक खेदलक त परमेश्वर कथी कहलक ?
    - परमेश्वर फिउरन आ ओकर सेनाके लालसागरमे डुबादेल ।
12. परमेश्वर काहे इस्रेलीसके रक्षा कइल ?
    - काहेकि परमेश्वर अब्राहाम आ इस्रेलीद्वारा उद्धारकर्ता भेजेके प्रतिज्ञा करत रनी ।
    - काहेकि परमेश्वर अब्राहाम आ इस्रेलीसबद्वारा वहांके बाइबल भेजेके प्रतिज्ञा कइलरहनी ।

1. फारो आ ओकर सेनाके सर्वनाश कैलाके बाद परमेश्वर इस्रेलीसबके केनेओरि अगुवाइ कैइनी ?
    - मरुभूमिओरि ।
2. करुभूमि कथी ह ?
    - करुभूमिका मतबल केवल बालु हि बालु वाला जगा ह ।

    - मरुभूमिमे मिट्टि किछु नैखे ।

    - मरुभूमिमे घांस किछु नैखे ।

- मरूभूमिमे गाछी किछु नैखे ।

- मरुभूमिमे केवल बालुवा रहल ।

- परमेश्वर इस्रेलीसबके मरुभूमिमे अगुवाइ करेलाके समयमे इस्रेलीसब कथी कइल ?

  आवलजावो प्रस्थान १६:१-३ पद पढलजाइ ।
  ओकराके वाद ऊ आदमीसब एलीमसे यात्रा सुरु कइके एलीम आ सीन बिचके सिनै मरूभूमिमे पहुँचल । ओकुनीसब ऊ जगामे मिश्र देश छोडेलाके दोसर महिनाके पन्द्रवां दिनम पहुँचल । इस्रेलके आदमीसब फेनु गनगन कइल । आदमीसब मरुभूमिमे मोसा आ हारुनके विरुद्धमे गनगन कइल । आदमीसब कहल अगर परमप्रभु हमनीके मिश्र देशमे ही मरेके दिहन त अच्छा हवेवाला रहत । वहां हमनीके खाएपिएके खातिर प्रसस्त अनाज रहीं । लेकिन अभिन तुमनी लोग हमनीके इहा लियाइल अब हमनी भुखसे मरेवाला रहे ।

- इस्रेलीसब मोसा आ हारुनके आलोचना कइल ।
-

3. इस्रेलीसब काहे मोसा आ हारुनके आलोचना कइल ?
   - काहेकि ओकुनीसबसे खाएके निमित्त किछु ना रहल ।

4. इस्रेलीसबसे काहे खाएके निमित्त किछु ना रहल ?
   - काहेकि मरुभूमिमे खाएके निमित्त किछु खाना ना रहे ।
   - वहां सिर्फ बालु रहे ।

5. का मोसा इस्रेलीसबके निमित्त मरुभूमिमे खाना खोजेके सकले रहलन ?
   - ना ।
6. काहे मोसा इस्रेलसबके निमित्त मरूभूमिमे खाना खोजेके सकले ना रहलन ?
   - काहेकि मरुभूमिमे कउनो खाना ना मिलतरहल ।
7. का इस्रेलीसब ओकुनीसबके निमित्त मरुभूमिमे खाना खोजेके सकले रहलन ?
   - ना ।

- काहेकि मरुभूमिमे कउनो खाना ना मिलतरहल ।

8. मरुभूमिमे इस्रेलीसबके निमित्त खाना देवेके कउनो सिर्फ सकले रहलन ?
   - परमेश्वर ।

9. का इस्रेलीसब परमेश्वर मरुभूमिमे ओकुनीसबके खाना देवेवाला रहलन कहके विश्वास कइलक ?
   - ना ।
10. परमेश्वर मरुभूमिमे ओकुनीसबके खाना दिएवाला रहे कहके विश्वास करेके जगा इस्रेलीसब कथी कइल ?
   - मोसा आ हारुनके विरुद्धमे गनगन कइल ।
11. का परमेश्वर इस्रेलीसबके मोसा आ हारुनके विरुद्धमे कइल गनगल सुननी ?
   - हां ।
12. परमेश्वर मोसासे कथी कहलन ?

आवलजावो प्रस्थान १६:११-१२ पद पढलजाइ

परमप्रभु मोसासे कहलन, "हम इस्रेलीसबके गनगन सुनेम । वइसने ओकुनीसबके कह, ओकुनीसब आज रातमे मांस

खाएवाला रहे आ भोरमे रोटी खाएवाला रहे । तब तुमनीसब जानेवाला रहे कि हम हि परमप्रभु तुमनीसबके परमेश्वर ह ।

- परमेश्वर इस्रेलीसबके वहां खाना दिएवाला रहे कहलन ।
- यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे भरोसा ना कइल त पर भी परमेश्वर ओकुनीसबके खाना दिएवाला ह कलहन ।
- यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे भरोसा ना कइल त पर भि परमेश्वर ओकुनीसबके सहायता कैलेरनी ।

13. परमेश्वरमे विश्वास ना करेवाला आदमीसबके भि परमेश्वर काहे सहायता करतरनी ?
    - काहेकि सब आदमीसबके परमेश्वरे बनाउलरहनी ।
    - काहेकि सब आदमीसबके परमेश्वर प्रेम करतरनी ।
    - काहेकि परमेश्वर सब आदमीसब बांचेके चाहतरनी ।
    - काहेकि सब आदमी वहांमे विश्वास करो कहके वहां चाहतरनी ।
14. का हमनी परमेश्वरमे भरोसा ना रखत त कथी वहा हमनीके वचावेला ?

- ना ।

15. का परमेश्वर इस्रेलीसबके भुखसे मरेके दिहन ?
16. का परमेश्वर इस्रेलीसबके खाना दिहन ?

आवलजावो प्रस्थान १६:१३ क पद पढौं ।
ऊ रातमे बट्टाइ चरासब छाउनी एनेउन आइल ।

17. परमेश्वर सांझमे इस्रेलीसबके खाएके निमित्त दिएवाला मांस का रहल ?
    - बट्टाइ नाम रहल चराके ।
    - वहां बहुता बट्टाइचरा आइल आ इस्रेलीके पाल ढकलक ।
    - दोसर बिहान परमेश्वर इस्रेलीसबके सुभहका भोजन देलक ?

आवलजावो प्रस्थान १६:१३ ख-१५ आ ३१ पद पढलजाइ ।
बिहान वहां सब पालके एनेउने शीत परलरहल । जब शीत सुकलक त भूमिमे तुसारो जइसन रहल ।
इस्रेलीसब यी देखलक आ इकदोसरसे पुछलक यी का

ह ? ओकुनीसब पुछलक काहेकि ओकुनीसबके थाहा ना रहे कि व काथी रहे ? तब मोसा ओकुनीसबसे कहल, यी परमप्रभु तुमनीसबके दिएवाला भोजन रहे । इस्रेलीसब ऊ विशेष भोजनके मन्न कहलन ।

18. परमेश्वर इस्रेलीसबके दोसर दिन बिहानमे दिएवाला भोजनके नाम कथी रहे ?
    - परमेश्वर ओकुनीसबके दिएवाला भोजन रोटी रहे ।
    - रोटी पालके एनेउने रहत रहे ।

19. इस्रेलीसब परमेश्वर स्वर्गसे दिएवाला ऊ रोटीके नाउ कथी रखलन ?
    - मन्न ।
    - हर बिहान परमेश्वर शीत झरेजैसने इस्रेलीसबके भोजनके निमित्त स्वर्गसे मन्न झार्दिहन ।
    - परमेश्वर हर बिहान स्वर्गसे झारेवाला मन्न परमेश्वरके अनुग्रहके प्रतीक ह ।
    - यद्यपि आदम आ हब्वा परमेश्वरके आज्ञा उल्लङ्घन कइल त पर भी परमेश्वर वहांके अनुग्रहमे हमनीके बचावेला उद्धारकर्ता पठावेलाके प्रतिज्ञा कैनी ।

- यद्यपि नूह आ ओकर परिवरा पाप करत लेकिन परमेश्वर वहांके अनुग्रहमे ओकुनीसबके परिवराके डाहरसे बचाएनी ।
- यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना कइल लेकिन परमेश्वर वहांके अनुग्रहमे ओकुनीसबके मिश्रीसबके दासत्वसे स्वतन्त्र कइल ।
- यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना कइल लेकिन परमेश्वर ओकुनीसबके बचावेके सक्षम रहल वइसने परमेश्वर लाल समुन्दर सुखा करदेनी ताकि इस्रेलीसब फारो आ ओकर सेनासे सुरक्षित रहेला ।
- यी सब बातसब परमेश्वरके अनुग्रहके चिन्ह रहेला ।
- इस्रेलीसब मरुभूमिमे रहेला सब सालसबमे परमेश्वर ओकुनीसबके मन्न दिहन ।

आवलजावो प्रस्थान १६:३५ पद पढलजाइ ।

इस्रेलीसब ४० वरषतक मन्न खाइतरनी । ओकुनीसब तबतक मन्न खाइहन जबतक ओकुनीसब जउन भूमिमे बसेवाला रहे वहां ना पहुचलन । ओकुनीसब कनान देशके ओरि ना पहुचलतक मन्न खाइल ।

- परमेश्वर एकेगो दिन भी इस्रेलीसबके मन्न दिएक ना भुललन ।
- परमेश्वर वहांके प्रतिज्ञा जहियो कायम राखेनी ।
- यद्यपि परमेश्वर ओकुनीसबके बट्टाइके मांस आ मन्न खाएके दिहन त पर भि इस्रेलीसब फेनु गनगन कइल ।

आवलजावो प्रस्थान १७:१-४ पद पढलजाइ ।

सिनै मरूभूमिमेसे सब इस्रेली दलदलमे यात्रा कइल । परमप्रभु आज्ञा अनुसार ओकुनीसब एक जगासे दोसर जगामे यात्रा कइल । जब ओकुनीसब रपिदिम पहुचल वहां पाल रखलक । ऊ जगामे आदमीसबके निमित्त पिएके खातिर पानी ना रहल । वइसने ओकुनीसब मोसासे विरोध कइल ।

मोसा ओकुनीसबसे कहलन, "तुमनीसब काहे हमरासे बहस करल रहे ? काहे परमप्रभुके परीक्षा लेवेरहल ?

लेकिन आदमीसब पानीके निमित्त बहुतै पियासी भइलेरनी वइसने ओकुनीसब मोसासे गनगन करतरनी । आदमीसब कहलन काहे तु हमनीके मिश्रसे बाहर

ल्याइल ? का तु हमनी हमर बालब्चा आ जनावरसब पानी ना पिएके मरजाइ ए चाहतरनी ?

फेनु मोसा परमप्रभुके बिन्ती कइल हम यी आदमीसबसे कथी कइलसकी ? ओकुनीसब हमराके मारके निमित्त तैयार रहल ।

20. इस्रेलीसब काहे गनगन कइल ?
    - काहेकि ओकुनीसबके पिएके निमित्त पानी ना रहल ।

21. इस्रेलीसबके काहे पानी ना रहल ?
    - काहेकि ओकुनीसब मरुभूमिमे रहल ।
    - काहेकि मरुभूमिमे पानीके बूंद भि ना रहल ।

22. का मोसा भरुभूमिमे इस्रेलीसबके निमित्त पानी पाएलाके निमित्त सक्षम रहल ?
    - ना ।

23. काहे मोसा मरुभूमिमे इस्रेलीसबके निमित्त पानी पाएलाके निमित्त सक्षम ना रहल ?
    - काहेकि मरुभूमिमे पानीके बूंद भि ना रहल ।

24. का इस्रेलीसब मरुभूमिमे ओकुनीके निमित्त पानी पाएलाके सक्षम रहल ?
    - ना ।

25. काहे इज्रेली भरुभूमिमे पानी पाएलाके सक्षम ना रहल ?
    - काहेकि मरुभूमिमे पानीके बूंद भि ना रहल ।
26. सिर्फ कउन इस्रेलीसबके मरुभूमिमे पानी दिएक सकिहन ?
    - परमेश्वर ।
27. का इस्रेलीसब मरुभूमिमे परमेश्वर ओकुनीसबके पानी दिएके सकिहन कहके विश्वास कइल ?
    - ना ।
28. परमेश्वर ओकुनीसबके मरुभूमिमे पानी दिएके सकिहन कहके विश्वास करेके बदलेमे इस्रेलीसब कथी कइलक ?
    - ओकुनीसब मोसा आ हारुनके आलोचन कइल ।

29. का परमेश्वर इस्रेलीसब मोसा आ हारुनके बिरुद्धमे करेवाला गनगन सुनलक ?
    - हां ।
30. का परमेश्वर इस्रेलीसबके पियाससे मरेके दिहन ?

- ना ।

आवलजावो प्रस्थान १७:५-६ पढलजाइ ।

परमप्रभु मोसासे कहलन "इस्रेली आदमीके आगे चल आ ओकुनीसबमेसे कउनो बूढ प्रधानसबके साथमे ले चल । आ अपन लाठी भि ले चल । ऊ लाठी वही ह जउन तु नील नदीमे हिर्काएके निमित्त प्रयोग कइल । हम तोहराके आगे होरेबमे सिनै पहाडके चट्टानके उपर होवेला । ऊ लाठी चट्टानमे हिर्काएलजाइ आ ऊ चट्टानमेसे पानी निकलनेवाला रहे तब आदमीसब ऊ पानी पीएके सकिहन ।

31. परमेश्वर मोसाके पानी पिएके कथी करेके कहलन ?
    - परमेश्वर मोसाके ओकर लाठी पत्थरमे हिर्काएके कहलन ।
    - अगर मोसा परमेश्वर कहलन बात मानलक त वहां इस्रेलीसबके निमित्त पत्थरसे पानी निकालेवाला रहल ।

32. कउनो सिर्फ मरुभूमिमेसे इस्रेलीसबके निमित्त पत्थरसे पानी निकालेके सकिहन ?
    - परमेश्वर ।

33. का मोसा परमेश्वरके आज्ञा मानलक ?

आवलजावो प्रस्थान १७:६ ख पद पढलजाइ ।

मोसा वही कइल जउन इस्रेलेके बूढ प्रधानसब ऊ देखलक ।

- मोसा परमेश्वरके आज्ञा मानलक ।
- मोसा परमेश्वर कहलेजैसने पत्थरमे लाठ्ठी हिर्काइल ।
- काहेकि मोसा परमेश्वरके आज्ञा पालन कइल वइसने परमेश्वर इस्रेलीसबके पिएके पानी दिहन ।
- जब हमनी परमेश्वरके आज्ञा पालन करल त वहां हमनीके बचावेला ।
- जब हमनी परमेश्वरके आज्ञा पालन ना करल त वहां हमनीके ना बचावेला ।
- हमनी परमेश्वरके आज्ञा वहां कहेअनुसार पालन करेके पडी ।
- हमनी परमेश्वरके आज्ञा हमनीके तरिकासे चलके पालन करेके ना सकी ।
- अगर हमनी अपन रास्तामे चलल त परमेश्वर हमनीके बचावेके नैखे ।

- परमेश्वर हमनीके ऊ समयमे सिर्फ बचावेला जब हम वहांके तरिकामे चलल ।

34. कउनो सिर्फ हमनीके पापके शक्तिसे बचावेके सकिहन ?
    - केवल परमेश्वर ।
35. कउनो सिर्फ हमनीके मृत्युके शक्तिसे बचावेके सकिहन ?
    - केवल परमेश्वर ।
36. कउनो सिर्फ हमनीके शैतानके शक्तिसे बचावेके सकिहन ?
    - केवल परमेश्वर ।
37. का परमेश्वर इस्रेलीसबके ओकुनीसबके निर्णय करेवाला तरिकासे बचावेला ?
    - ना ।

38. परमेश्वर इस्रेलीसबके कइसन बचाएनी ?
    - परमेश्वर तय करेवाला तरिकाके अनुसार ।
39. परमेश्वर सब आदमीसबके कइसन बचाइनी ?
    - परमेश्वर तय करेवाला तरिकाके अनुसार ।